कृत्रिम बुद्धिमत्ता और व्यक्तिगत सुरक्षा: एक दोधारी तलवार

Dr. Rajesh Khatwani, Assistant Professor, Department of Law, Government Law College, Chittorgarh (Rajasthan)

सारांश

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का विकास आधुनिक युग में समाज को अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति प्रदान कर रहा है। जहां AI ने मानव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादकता और कुशलता में वृद्धि की है, वहीं यह व्यक्तिगत सुरक्षा और गोपनीयता के लिए गंभीर चुनौतियाँ भी उत्पन्न कर रहा है। AI आधारित निगरानी प्रणालियाँ, व्यक्तिगत डेटा का संग्रह और विश्लेषण, और स्वचालित निर्णय लेने की प्रक्रियाएँ आज के डिजिटल युग में व्यापक रूप से उपयोग में हैं। हालाँकि, इन प्रौद्योगिकियों का अनुचित या अनियंत्रित उपयोग साइबर अपराध, डेटा चोरी, और व्यक्तिगत पहचान की हानि जैसे गंभीर खतरों को जन्म दे सकता है।

इस शोध सारांश में AI और व्यक्तिगत सुरक्षा के बीच जटिल संबंधों को रेखांकित किया गया है। साथ ही, व्यक्तिगत गोपनीयता के अधिकारों की रक्षा करने के लिए नीति-निर्माण, डेटा संरक्षण कानून, और AI एल्गोरिदम की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। यह अध्ययन व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा, AI के नैतिक उपयोग, और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

सुझाव:

1. AI सिस्टम्स के उपयोग के लिए स्पष्ट और कठोर नियमों का निर्धारण।
2. डेटा गोपनीयता की रक्षा के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढाँचे की स्थापना।
3. उपयोगकर्ता को उनके डेटा के उपयोग पर नियंत्रण प्रदान करना।

AI और व्यक्तिगत सुरक्षा का संबंध केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक पहलुओं से भी जुड़ा हुआ है, जिसके लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।